वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 180 | रविवार 26 अक्टूबर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पुष्कर मेला

कार्तिक माह ओर पुष्कर मेले का साथ निराला है। एक माह तक चलने वाले इस मेले में पशुओं की जबरदस्त खरीद फरोख्त होती है। इस अवसर पर मरुधरा की सवारी की अलग ही शान नजर आती है।

गिव-अप अभियान में प्रदेश में 41 लाख लोगों ने स्वेच्छा से छोड़ा लाभ

हर पात्र परिवार तक पहुंचे अन्न सुरक्षा का लाभ : गोदारा

योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही हमारी जिम्मेदारी

जयपुर. कासं

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र परिवार खाद्य सुरक्षा के लाभ से वंचित न रहे एवं हर पात्र परिवार तक अन्न सुरक्षा का लाभ पहुंचे। योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवेदनशीलता हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अपात्र लाभार्थियों को स्वेच्छा से बाहर आने के लिए प्रेरित करना एवं पात्र परिवारों को समय पर बेहतर ढंग से राशन उपलब्ध कराना ही राज्य सरकार की प्राथमिकता है। खाद्य मंत्री श्री गोदारा की अध्यक्षता में शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार, जैसलमेर में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल के नेतृत्व में नवाचार के रुप में गिव-अप अभियान का संचालन पूरे प्रदेश में किया गया जिसमें खाद्य सुरक्षा के अन्तर्गत लगभग 41 लाख लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा का लाभ छोड़ा हैं। वहीं पात्रता के आधार पर प्रदेश मे लगभग 69 लाख से अधिक नए लाभार्थियो के नाम खाद्य सुरक्षा सूची में जोड़े गये है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ हैं कि जरुरतमंद परिवार को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिलें। उन्होंने कहा कि जैसलमेर जिले में इस अभियान के तहत 43 हजार 164 लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा का लाभ छोड़ा जबकि 70 हजार 821 नए पात्र परिवारों को इस योजना से जोड़ा गया है।

कमीशन का भुगतान राशन डीलरों को किया जा चुका

गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा में उचित मूल्य दुकानदारों के कमीशन में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई वहीं पूर्व में उन्हें समय पर कमीशन भी नहीं मिलता था, लेकिन वर्तमान सरकार के प्रयासों से प्रदेश में अगस्त-सितम्बर, 2025 तक का कमीशन का भुगतान राशन डीलरों को किया जा चुका है एवं आने वाले समय में ओर तेजी के साथ उन्हें कमीशन का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने जिले में जिला प्रशासन एवं रसद विभाग के अधिकारियों द्वारा गिव-अप अभियान में किये गए कार्यों की सराहना की।

69 लाख से अधिक नए लाभार्थी खाद्य सुरक्षा योजना में जुड़े

जनजागरूकता बढ़ाई जाए

सुमित गोदारा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गिव–अप अभियान को गति देते हुए ऐसे अपात्र लाभार्थियों, जिनमें आयकरदाता, राज्य/केंद्र सरकार के कर्मचारी, चारपहिया वाहनधारक एवं वार्षिक एक लाख रुपये से अधिक आय वाले परिवार शामिल हैं, को खाद्य सुरक्षा सूची से स्वेच्छा से बाहर करने के लिए जनजागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने जिले में नई उचित मूल्य दुकानों की शीघ्र ही विज्ञप्ति जारी कर उसकी भी उचित कार्यवाही समय पर करने के निर्देश दिए ताकि उस क्षेत्र में भी लोगों को स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा का लाभ मिलें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में अभी भी खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र है उनको प्रेरित कर योजना से बाहर कराये एवं पात्र लोगों को जुड़वाए। बैठक में एनएफएसए पोर्टल पर वर्ष 2022 एवं 2025 के लम्बित आवेदनों के निस्तारण, जांच समितियों की रिपोर्ट की अनुपालना, स्वीकृत आवेदनों के रेण्डम सत्यापन, नये लाभार्थियों की आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी की स्थिति, राशन डीलरों एवं परिवहनकर्ताओं के बकाया भुगतान संबंधी प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की।

प्रमुख समाजसेवी सेवी महेश काला ने सादगी से मनाया जन्मदिन

जयपुर. शाबाश इंडिया। वीर सेवक मंडल के यशस्वी अध्यक्ष प्रमुख समाज सेवी महेश काला ने अपना जन्मदिन सादगी के साथ मनाया । इस अवसर पर शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका ने उन्हें मल्यार्पण कर बधाई दी। इस अवसर पर दिनेश पारीक, अरुण लुहाड़िया आदि भी उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर, अन्नकूट महोत्सव व सैनिकों व वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह 26 को

पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीमती शांति देवी जनकल्याण ट्रस्ट,प्रताप नगर के तत्वावधान में रक्तदान शिविर,अन्नकूट महोत्सव व सैनिकों व वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह 26 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से प्रताप नगर,पन्ना धाय सर्किल के पास स्थित शिवम गार्डन में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने आज हाथोज धाम में किया। इस मौके पर श्रीमती शांति देवी जनकल्याण ट्रस्ट प्रताप नगर के संस्थापक व टीम भाजपा सांगानेर के मुकेश पाराशर,,सोनू शर्मा,दीपक शर्मा,मनीष अग्रवाल,विनोद शर्मा,पवन खंडेलवाल व राकेश बगड़ा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। श्रीमती शांति देवी जनकल्याण ट्रस्ट प्रताप नगर के संस्थापक मुकेश पाराशर ने बताया कि इस मौके पर जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगे,वहीं रक्तदान शिविर को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। इस दौरान समारोह में सैनिकों व वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया जाएगा। मुख्य अतिथि हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य के अलावा काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

बाल महोत्सव प्रतियोगिता में छाए भगत पब्लिक स्कूल संतनगर के बच्चे

स्कूल पहुंचने पर हुआ शानदार स्वागत

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। जिला बाल कल्याण परिषद् द्वारा बाल महोत्सव प्रतियोगिता जिले के बाल भवन में करवाई गई जिसमें सिरसा जिले के अनेकों स्कूलों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में डांस, सोलो सोंग, ग्रुप सोंग, रंगोली, पोस्टर मेकिंग, स्केचिंग ओन दा स्पॉट, कार्ड मेकिंग, फैंसी ड्रैस, देशभक्ति सोंग आदि मुकाबले करवाए गए। क्षेत्र में खेलों, सांस्कृतिक गतिविधियों व शिक्षा में अहम स्थान रखने वाले संतनगर के भगत पब्लिक स्कूल के बच्चो ने भी इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिसमें ग्रुप डांस के वर्ग चार में बच्चों ने प्रथम स्थान हासिल कियाे ग्रुप चार के वन एक्ट प्ले में भी भगत पब्लिक स्कूल के बच्चों ने पहला स्थान हासिल किया। ग्रुप चार की ग्रुप सोंग प्रतियोगिता में भी स्कूल की लड़कियों ने दूसरा स्थान हासिल किया और इसी प्रकार ग्रुप फर्स्ट की डांस प्रतियोगिता में भी लड़कियों ने तीसरा स्थान करके अपना व अपने स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल पहुंचने पर लड़के व लड़कियों के सभी ग्रुप के बच्चों का जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल नवप्रीत सिंह भंगु ने बच्चों को फूल माला पहनाकर सम्मानित करते हुए उन्होंने कलस्टर स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं में भी बच्चों को भाग लेकर अपना व अपने स्कूल का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। इसी मौके पर स्कूल प्रिंसिपल नवप्रीत सिंह भंगू ने स्कूल के संगीत अध्यापक गुरभजन सिंह बोपाराय, मोनिन्द्र पाल सिंह , कुलवंत सिंह ,लखबीर सिंह और हरविन्द्र कौर को भी सम्मानित किया जिन्होंने पूरी मेहनत व लगन से इस प्रतियोगिता के लिए बच्चों की तैयारी करवाई थी।

स्वस्तिधाम जहाजपुर में होगा त्रिदिवसीय महामहोत्सव

आचार्यश्री शांतिसागर महाराज का 138वां अवतरण दिवस

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

जहाजपुर। जैन समाज के सर्वाधिक लोकप्रिय दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र स्वस्ति धाम जहाजपुर में 31अक्टूबर से 02 नवंबर तक त्रिदिवसीय महामहोत्सव विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जा रहा है । शुभकामना परिवार के राष्ट्रीय अधिवेशन के मुख्य संयोजक सुनील जैन बंधु आगरा द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार उत्तर भारत के प्रथम दिगम्बराचार्य आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज (छाणी) परंपरा के पंचम पट्टाचार्य सिंहरथ प्रवर्तक, त्रिलोकतीर्थ प्रणेता विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज की सुयोग्य एवं परम प्रभावक शिष्या एवं षष्ट पट्टाचार्य सराकोद्धारक आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज से गणिनी पद सुशोभित भारत गौरव, स्वस्तिधाम प्रणेत्री गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी की पावन प्रेरणा एवं आशीर्वाद से उन्हीं के पावन सान्निध्य एवं निर्देशन में श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जहाजपुर में 31अक्टूबर से 02 नवंबर तक तीन दिवसीय महामहोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जा रहा है। इस त्रिदिवसीय महामहोत्सव के प्रथम दिन शुक्रवार 31 अक्टूबर को उत्तर भारत के प्रथम दिगम्बराचार्य आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज छाणी का 138वां अवतरण दिवस मनाया जायेगा । इस अवसर पर आचार्यश्री की जन्मस्थली वागड़ क्षेत्र के 1038 गुरुभक्त महामहोत्सव में सहभागिता प्रदान कर पूज्य आचार्यश्री की अष्टद्रव्य से महापूजन करेंगे । आचार्य श्री शान्तीसागर जी छाणी के आचार्यपदारोहण शताब्दि के उपलक्ष्य में आचार्यश्री से सम्बंधित प्रतियोगिता तथा सभी कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के महामन्त्री सुरेन्द्र कुमार जैन (गैस वाले) सहारनपुर एवं संगठन मन्त्री विकास जैन सहारनपुर की अहम भूमिका बताई जा रही है। महामहोत्सव के द्वितीय दिन शनिवार 01 नवम्बर को गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह एवं शुभकामना परिवार का राष्ट्रीय अधिवेशन होगा । शुभकामना परिवार की देश के 12 प्रांतों में लगभग 500 शाखाएं संचालित हैं। जो पूज्य गुरुमां स्वस्तिभूषण माताजी एवं ब्रह्मचारिणी बहिन प्रियंका दीदी के मार्गनिर्देशन में कार्य करती हैं। ज्ञातव्य हो कि 01 नवंबर को ही पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का भी अवतरण दिवस है, सो विशेष कार्यक्रम भी होंगे । महामहोत्सव के अंतिम दिन रविवार 02 नवंबर को भूगर्भ से प्रगटित अतिशयकारी चिंतामणि विघ्नहरण सर्वारिष्ट निवारक श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान के श्री चरणों में श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान का आयोजन रखा गया है । जिसमें 1008 जोड़े एकसाथ बैठकर महाअर्चना करते हुए एक कीर्तिमान स्थापित करेंगे। जैन बंधु के अनुसार आने वाले स्थितियों के आवास हेतु स्वस्तिधाम, स्वस्ति मांगलिक भवन के अतिरिक्त जहाजपुर की अन्य धर्मशालाएं एंव होटलो में भी ठहराने की व्यवस्था की गई है। अधिवेशन में पधारे सभी शाखा संयोजक/संयोजिका तथा सदस्यों का सम्मान एंव उपहार राष्ट्रीय शुभकामना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय कुमार कोठारी भीलवाड़ा और कार्याध्यक्ष श्रीमति (डॉ) रमाजी जैन दिल्ली की ओर से की जा रही है। अतिशय क्षेत्र जहाजपुर कमेटी एवं आयोजन समिति द्वारा बड़े पैमाने पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। तीन दिवसीय महामहोत्सव में सम्पूर्ण भारतवर्ष से हजारों की संख्या में साधर्मी बंधुओं के सम्मिलित होने की संभावना को देखते हुए आयोजन समिति द्वारा आवास, भोजन एवं परिवहन संबंधी सभी व्यवस्थाओं की अंतिम रूप दिया जा रहा है । आयोजकों को उम्मीद है कि तीन दिन के महामहोत्सव में लगभग 8 हजार साधर्मी बंधु सहभागिता प्रदान करेंगे ।

180 व्यक्तियों के हुए अष्टमूलगुण संस्कार

सही मायने में आज आपका सही जन्मदिन है : आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज सानिध्य में 180 व्यक्तियों के अष्टमूलगुण संस्कार हुए इस आयोजन के मुख्य प्रेरणास्रोत परम पूज्य मुनि श्री 108 प्रांजल सागर महाराज रहे इसके साथ ही विधि विधान से क्रिया संपन्न कराने में ब्रह्मचारी नमन भैया के निर्देशन संघस्थ सभी ब्रह्मचारी भैया एवम दीदी रही। सर्वप्रथम णमोकार मंत्र के उच्चारण के उपरांत मंगलाष्टक बोलते हुए सभी के संस्कार किए गए भक्तिमय भजनों के बीच यह आयोजन हुए इसमें भक्ति पड़ी गई सभी के हाथों में स्वास्तिक करते हुए श्रीफल द्रव्य आदि देते हुए उनके अष्टमूलगुण संस्कार किए इसमें 8 वर्ष से 80वर्ष तक के सभी पुरुष महिला बच्चे शामिल रहे। इस आयोजन को लेकर सभी में उत्साह बना हुआ था। सभी के मोली बंधन किया गया। आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज ने सभी के संस्कार किए अष्ट मूल गुणों में 5 उदबर फल 3 मकार मद, मांस मधु का त्याग सभी को आजीवन त्याग कराया सभी को धर्म से जोड़ा यह आयोजन नगर के इतिहास में एक अलौकिक था। इस अवसर पर आचार्य श्री ने कहा कि जिस प्रकार फसल को बोने के लिए भूमि तैयार करनी होती है इसी प्रकार मोक्ष मार्ग में बढ़ने हेतु 5 उदबर फल और मद मांस मधु का त्याग करना होता है तब जाकर हम अष्ट मूलगुण धारण कर सकते हैं इसे त्याग करके ही हम मोक्ष मार्ग की भूमि तैयार कर सकते हैं उन्होंने कहा बिना अष्टमूलगुण के मोक्ष की तैयारी नहीं होती है जिस प्रकार मुनिराजो के 28 मूल गुण होते हैं उसी प्रकार यह श्रावक के आठ मूल गुण होते हैं जिन्हें धारण करना होता है। उन्होंने सभी की तारीफ की आप अच्छा काम कर रहे हैं यह आपके मोक्ष मार्ग पर बढ़ाने का एंट्री कार्ड है। आज संकल्प ले कि हम इन आठ चीजों का सेवन नहीं करेंगे और हम तब सेवन नहीं करेंगे तभी हम श्रावक कहलाएंगे। इसका त्याग कर व्यक्ति अष्ट मूल गुण धारी की उपाधि को प्राप्त कर लेता है और वह धर्मात्मा होता है। उन्होंने कहा कि सही मायने में आज आपका सही जन्मदिन है जिस दिन धर्मात्मा धर्म ग्रहण कर लेता है उसी दिन उसका जन्मदिन माना जाता है। धर्म और धर्मात्मा दुनिया में कमी नहीं होगी और सच्चे धर्म की भी कमी नहीं होगी लेकिन आज सच्चे धर्मात्मा की कमी है सच्चे धर्मात्मा जब धर्म ग्रहण कर लेंगे तो इस दुनिया में धर्मात्मा के अलावा कुछ नहीं होगा। सच्चा धर्म हमें मिल जाए हमें यही भावना भानी चाहिए। आज आपको खुशी मनाना चाहिए आज आपका खुशी का समय है क्योंकि आज आप धर्मात्मा बन रहे हैं।

अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

वेद ज्ञान

जगत है आद्याशक्ति प्रकट रूप

दुर्गा या देवी विश्व की मूलभूत शक्ति की संज्ञा है। विश्व की मूलभूत चिति शक्ति ही यह देवी है। देवों की माता अदिति इसी का रूप है। यही एक इडा, भारती, सरस्वती इन तीन देवियों के रूप में विभक्त हो जाती है। वेदों में जिसे वाक कहा जाता है, वह भी देवी या शक्ति का ही रूप है। वसु, रुद्र, आदित्य इन तीन देवों या त्रिक के रूप में उस शक्ति का संचरण होता है। ऋग्वेद के वागम्भृणी सूक्त में इस शक्ति की महिमा का बहुत ही उदात्त वर्णन पाया जाता है-मित्र और वरुण, इन्द्र और अग्नि, दोनों अश्विनीकुमार इनको मैं ही धारण करती हूं। विश्वदेव मेरे ही रूप हैं। वसु, रुद्र, आदित्य इस त्रिक का संचरण मेरे ही द्वारा होता है। ब्रह्मणस्पति, सोम, त्वष्टा, पूषा और भग इनका भरण करने वाली मैं हूं। राष्ट्र की नायिका मुझे ही समझो। मैं ही वसुओं का संचय करने वाली वसुपत्नी हूं। जितने यज्ञीय अनुष्ठान हैं, सबमें प्रथम मेरा स्थान है। सबका ज्ञान मेरा स्वरूप है। देवों ने मुझे अनेक स्थानों में प्रतिष्ठित किया है। अपने अनेक आवास स्थानों में मैं अपने पुष्कलरूप से भर रही हूं। जो देखता, सुनता और सांस लेता है, वह मेरी शक्ति से ही अन्न खाता है। यद्यपि लोग इसे नहीं जानते, पर वह सब मेरे ही अधीन है। यह सत्य है, जो मैं तुमसे कहती हूं। इसे सुनो। देव और मनुष्य दोनों को जो प्रिय है, उस शब्द का उच्चारण मुझसे ही होता है। मैं जिसका वरण करती हूं, उसे ही उग्र, ब्रह्मा, ऋषि और मेधावी बना देती हूं। रुद्र के धनुष में मेरी शक्ति प्रविष्ट है, जो ब्रह्मद्रोही का हरण करती है। मनुष्यों के लिए संघर्ष का विधान करने वाली मैं ही हूं। मैं ही द्यावा-पृथिवी के अंतराल में प्रविष्ट हूं। पिता द्युलोक का प्रसव करने वाली मैं ही हूं। मेरा अपना जन्मस्थान जलों के भीतर पारमेष्ठ्य समुद्र में है। वहां से जन्म लेकर मैं सब लोकों में व्याप्त हो जाती हूं। मेरी ऊंचाई द्युलोक का स्पर्श करती है। झंझावात की तरह सांस लेती हुई मैं सब भुवनों का आरम्भण या उपादान हूं। द्युलोक और पृथिवी से भी परे मेरी महिमा है। इस सूक्त में जिस वाक तत्त्व का वर्णन है, वह देवी का ही रूप है। प्रायः समझा जाता है कि ऋग्वेद में पुरुष संज्ञक देवों का प्राधान्य है, किन्तु तथ्य यह है कि मित्र, वरुण, इन्द्र, अग्नि आदि जितने प्रधान देव हैं, उन सबको जन्म देने वाली मूलभूत शक्ति देवमाता अदिति है। उसका वर्णन सैकड़ों प्रकार से ऋग्वेद में आता है।

संपादकीय

विकास मंत्र बनाम विपक्ष का सामाजिक न्याय का दावा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 राज्य की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ साबित हो रहा है। 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने वाले इस चुनाव में 243 सीटों पर सियासी दलों के बीच कांटे की टक्कर है। 14 नवंबर को मतगणना के बाद बिहार का भविष्य तय होगा। वर्तमान में सत्ता संभाल रही एनडीए (बीजेपी-जेडीयू गठबंधन) और विपक्षी महागठबंधन (आरजेडी-कांग्रेस) के बीच मुकाबला विकास बनाम सामाजिक न्याय की

धुरी पर केंद्रित है। लेकिन इस चुनाव का सबसे बड़ा चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है, जिनकी रैलियां और बयानबाजी पूरे अभियान को नई ऊर्जा दे रही हैं। मोदी ने 24 अक्टूबर को समस्तीपुर से अपना चुनाव प्रचार शुरू किया, जहां वे भारत रत्न प्राप्त कर्पूरी ठाकुर की जन्मभूमि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। ठाकुर को सम्मानित कर मोदी ने सामाजिक न्याय की बिहारी परंपरा को अपनाने का संदेश दिया, जो एनडीए की पिछड़ी वर्गों में पैठ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। अपनी रैली में मोदी ने कहा, नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगी। बिहार अब निवेश का केंद्र बनेगा, जहां हर जिले में युवाओं के स्टार्टअप उमड़ेंगे। उन्होंने विपक्ष को 'लठबंधन' कहकर तंज कसा, जो जंगल राज की वापसी का खतरा पैदा कर रहा है। मोदी का यह कथन बिहार की आर्थिक प्रगति पर केंद्रित है - मखाना निर्यात, मछली उत्पादन में वृद्धि और केंद्र से तिगुनी सहायता जैसे बिंदुओं को रेखांकित करते हुए। मोदी का बिहार चुनाव में भूमिका रणनीतिक है। 2015 और 2020 के चुनावों में उनकी अपील ने एनडीए को मजबूत बनाया था। अब 2025 में वे 12 रैलियों के जरिए मैदान संभाल रहे हैं, जिसमें बेगूसराय, मुजफ्फरपुर और छपरा शामिल हैं। मोदी की रैलियां न केवल बीजेपी को मजबूत करती हैं, बल्कि जेडीयू को भी समर्थन देती हैं। नीतीश कुमार की छवि कमजोर पड़ रही है। 20 वर्षों की सत्ता के बावजूद बेरोजगारी, गरीबी और अपराध की छाया बनी हुई है। मोदी का हस्तक्षेप एनडीए को एकजुट रखने का प्रयास है। अमित शाह की यात्राओं और जेपी नड्डा के 'विकास बनाम विनाश' के नारे से यह स्पष्ट है कि एनडीए मोदी की लोकप्रियता पर दांव लगा रही है। दूसरी ओर, महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाकर युवा वोट बैंक को निशाना साधा है। तेजस्वी ने बख्तियारपुर में कहा, 20 वर्षों के एनडीए राज में बिहार गरीब बना रहा। बेरोजगारी बढ़ी, भ्रष्टाचार फला-फूला। नीतीश को बीजेपी ने हाईजैक कर लिया है। वे एलपीजी सिलेंडर को 500 रुपये और पेंशन को 1500 रुपये करने जैसे वादों से मुस्लिम-यादव गठजोड़ को मजबूत कर रहे हैं। लेकिन गठबंधन में सीट बंटवारे की खींचतान-आरजेडी 143 सीटों पर लड़ी, कांग्रेस को 61 ने कमजोरी उजागर की है। कांग्रेस का आरोप है कि जनसंघ ने 1979 में ठाकुर सरकार गिराई थी, जो मोदी के सम्मान को चुनौती देता है। यह चुनाव बिहार के लिए अवसर और चुनौती दोनों है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पलायन-रोजगार का चुनाव

बिहार का चुनाव समतली जमीन पर आ चुका है। विपक्ष के महागठबंधन में जो भीतरी द्वन्द्व और विरोधाभास थे, वे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और वीआईपी अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के बाद लगभग समाप्त हो चुके हैं। कुछ सीटों पर कांग्रेस, राजद, सीपीआई (माले) और वीआईपी के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। इसे दोस्ताना मुकाबला करार दिया जा रहा है। महागठबंधन के नेताओं ने इस विरोधाभास के समाधान की भी बात कही है। जिस प्रेस वार्ता में तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने, घोषित किया, उसके पोस्टर पर सिर्फ तेजस्वी का ही चित्र था। न लालू यादव-राबड़ी देवी का और न ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी का चित्र लगाया गया। लालू तो अब भी राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और राहुल-तेजस्वी ने साझा तौर पर वोट चोरी के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। अब वह साथ कहां गायब हो गया? बहरहाल आज वोट चोरी का मुद्दा भी गायब है, क्योंकि पलायन और रोजगार सबसे संवेदनशील चुनावी मुद्दे के तौर पर उभरे हैं। तेजस्वी ने हर घर, एक सरकारी नौकरी का जो मुद्दा जनता के सामने पेश किया है, उसका असर बिहार में स्पष्ट रूप से देखा-महसूसा जा सकता है। हालांकि बिहार के 2.76 करोड़ घर-परिवारों में से 2.5 करोड़ घरों को भी सरकारी नौकरी मुहैया कराने पर करीब 9 लाख करोड़ रुपए सालाना चाहिए। बिहार का बजट ही 3.17 लाख करोड़ रुपए का है और उस पर 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। पूंजी कहां से आएगी, यह बहस सत्तारूढ़ और विपक्ष के राजनीतिक दलों के दरमियान तो जारी है, टीवी चैनलों पर भी यह बहस सुनी जाती रही है, लेकिन यह जनता का विश्लेषण और उसकी चिंता नहीं है। जनता मान रही है कि जिसकी सरकार बनेगी, पूंजी का बंदोबस्त भी वही करेगी। कांग्रेस ने भी पलायन रोको, नौकरी दो का नारा देकर तेजस्वी के कार्यक्रम का समर्थन किया है। रोजगार से ही पलायन का मुद्दा जुड़ा है। चुनाव आयोग के मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के अतिरिक्त विशेषज्ञों के आकलन हैं कि करीब 50 लाख बिहारी देश के विभिन्न हिस्सों में नौकरी या मजदूरी अथवा रिक्शा चालन का काम करते हैं और बिहार में मौजूद परिवार का पेट पालते हैं। अधिकांश ये प्रवासी बिहारी असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत हैं, लिहाजा यह तय नहीं है कि कितने लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए ही बिहार लौटेंगे? मतदान और छठ में कई दिनों का फासला है। निजी दुकानदारियों पर काम करने वाले इतने दिन तक बिहार में कैसे रह सकते हैं? उनके मालिक ही अनुमति नहीं देंगे। कइयों को मतदाता सूचियों से ही बाहर कर दिया गया है। कोई भी दल इन प्रवासी मतदाताओं को बिहार तक लाने में व्यापक तौर पर उत्सुक, इच्छुक नहीं है। बेशक मताधिकार देश के औसत वयस्क नागरिक का संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन इसे संस्थानात्मक रूप नहीं दिया गया है। पलायन और प्रवासी बिहारियों को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा-जनता दल-यू और राजद, कांग्रेस, वामपंथी आदि चिंतित जरूर हैं, क्योंकि वे किसे वोट देंगे, यह निश्चित नहीं है। हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने, प्रधानमंत्री मोदी की भरपूर मदद से, रोजगार-नौकरी की एक परियोजना घोषित की है कि यदि सरकार बनी, तो वे अगले 5 साल के दौरान 1 करोड़ रोजगार/नौकरी मुहैया कराएंगे। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ऐसा कोई विभाग, कर्मचारी, समुदाय, आंगनबाड़ी आदि नहीं छोड़ा है, जिसके आर्थिक संसाधनों की बढ़ोतरी न की हो।

पांच दिवसीय भगवती जिन दीक्षा महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 31 अक्टूबर से 4 नवम्बर तक होगा संयम का उत्सव

भगवती जिन दीक्षा महोत्सव - जयपुर बनेगा सात जैनेश्वरी दीक्षा का साक्षी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर की पुण्य धरा पर दिगम्बर जैन आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 31 अक्टूबर से 4 नवम्बर तक होने वाले जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव की तैयारियां जोरों से चल रही है। मुख्य समन्वयक प्रचार-प्रसार विनोद जैन कोटखावदा एवं प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि सांगानेर थाना क्षेत्र की चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मिया बजाज की गली स्थित कंवर का बाग में 31 अक्टूबर से भगवती जिन दीक्षा महोत्सव का आगाज होगा जो 4 नवम्बर तक चलेगा। इस दौरान पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालु इस महोत्सव के साक्षी बनने जयपुर में एकत्रित होंगे। भगवती जिन दीक्षा महोत्सव समिति के गौरव अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद एवं अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि इस दौरान शुक्रवार, 31 अक्टूबर को प्रातः जिनेन्द्र देव पूजा भक्ति, दोपहर 1.00 बजे से दीक्षार्थियों के हल्दी एवं मेहन्दी लगाई जाएगी। शनिवार, 1 नवम्बर को प्रातः अभिषेक, शांतिधारा , गुरू पूजा के आयोजन किये जाएंगे। धर्म सभा में आचार्य सुन्दर सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। सायंकाल 6:30 बजे बैण्ड बाजों के साथ गुलाबी नगरी में दीक्षार्थियों की विशाल बिंदोरी निकाली जाएगी। कवर का बाग में जैन बन्धुओं द्वारा सभी सातों दीक्षार्थियों की मंत्रोच्चार के साथ गोद भराई की जाएगी। मंदिर समिति के मंत्री मूल चन्द पाटनी एवं दीक्षा महोत्सव के मुख्य संयोजक सुनील जैन लोहेवाला ने बताया कि रविवार, 2 नवम्बर को प्रातः 7 :15 बजे से संगीतमय गणधर विलय विधान पूजा का भव्य आयोजन होगा। इस विधान पूजा में बडी संख्या में इन्द्र - इन्द्राणी शामिल होंगे। इसी दिन वात्सल्य रत्नाकरआचार्य 108 विमल सागर महाराज का 64वां दीक्षा दिवस मनाया जाएगा। रात्रि में जयपुर में पहली बार प्रसिद्ध गायक विक्की डी पारीख की भजन संध्या होगी। कोषाध्यक्ष महेन्द्र सोगानी एवं संयोजक राहुल सिंघल ने बताया कि सोमवार, 3 नवम्बर को दीक्षा का मुख्य आयोजन होगा । प्रातः 11.15 बजे से जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव कार्यक्रम होगा जिसमें सातों दीक्षार्थियों के दीक्षा संस्कार किये जाएंगे। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेन्द्र सोगानी एवं संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि मंगलवार, 4 नवम्बर को दीक्षित साधुओं एवं आर्यिका माताजी,क्षुल्लक, क्षुल्लिका के रूप में प्रथम आहार चर्या होगी। विधान में बैठने वाले इन्द्र-इन्द्राणियों के लिए धोती दुपट्टे, शुद्ध भोजन आदि की व्यवस्था रहेगी। विस्तृत जानकारी के लिए 94140 54571, 94147 69596, 98290 62289,98292 97487, 98290 12217 पर सम्पर्क किया जा सकता है। मुख्य संयोजक चातुर्मास कैलाश सोगानी एवं महामंत्री ओमप्रकाश कटारिया ने बताया कि आयोजन में मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर,राज्य सभा सासंद घनश्याम तिवाड़ी, सासंद मंजू शर्मा, सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक, कई विधायक काली चरण सराफ, महापौर डॉ सौम्या गूर्जर एवं पार्षदों के साथ राजनीतिक शख्सियतें भी शामिल होगी। महिला मण्डल की अध्यक्ष बबीता सोगानी ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज 50 से अधिक जैनेश्वरी दीक्षा दे चुके हैं।

विनोद जैन कोटखावदा
मुख्य समन्वयक प्रचार-प्रसार
एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन
प्रशासनिक समन्वयक

जहाँ स्वार्थ समाप्त होता है, वहीं सुख का जन्म होता है: युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

पनवेल. शाबाश इंडिया

संसार का प्रत्येक प्राणी सुख चाहता है ,चाहे मनुष्य हो या पशु-पक्षी, बालक हो या वृद्ध, स्त्री हो या पुरुष। हर क्रिया के पीछे उद्देश्य सुख का ही होता है, किंतु यह सुख क्षणिक और सीमित होता है। यह विचार शनिवार को श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने कापड़ बाजार जैन स्थानक में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मनुष्य भोजन करता है, विश्राम करता है, यात्रा करता है, यहाँ तक कि न खाने और न सोने के निर्णय भी इसीलिए करता है कि वह सुखी रहे। किंतु यह सुख वैलिडिटी वाला सुख है - जैसे मोबाइल डेटा की सीमित योजना, जो थोड़ी देर बाद समाप्त हो जाती है। भोजन करते समय जो आनंद है, कुछ घंटों बाद वही सुख खत्म हो जाता है और नई इच्छा जन्म ले लेती है। इच्छाएँ ही दुःख का मूल कारण हैं। युवाचार्यश्री ने कहा कि सच्चा सुख वही है जो परिस्थितियों से परे हो। खाना है तो भी सुखी रहो, न खाना है तो भी सुखी रहो,नींद आए तो भी संतोष, न आए तो भी संतोष। यह एकांत सुख तभी संभव है, जब सुख बाहरी वस्तुओं पर नहीं, भीतर की शांति पर आधारित हो। बच्चों और अभिभावकों के अनुशासनात्मक संकल्पों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज भी कई बालक मोबाइल या टीवी से दूरी बनाकर अध्ययन और संयम का संकल्प लेते हैं, यही वास्तविक सुख का मार्ग है। उन्होंने जोड़ा कि यदि माता-पिता क्रोध न करने का पचखान लें, तो परिवार में सौहार्द और स्थिरता आती है। सुख का उपाय बताते हुए युवाचार्य प्रवर ने कहा गुरु और वृद्धों की सेवा ही शाश्वत सुख का द्वार है।

काठमांडू जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया

जैन मंदिर काठमांडू में जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के 2552 वे निर्वाण दिवस पर श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कमेटी के तत्वावधान में 21 अक्टूबर 2025 को प्रातः 8:30 बजे बड़े ही उमंग उत्साह के साथ भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। इस अनुपम निर्वाण महोत्सव के बारे में श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर काठमांडू के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम प्रातः काल में 7:30 बजे श्रीजी के कलशाभिषेक, शांति धारा, सामूहिक भक्तिमय पूजन तत्पश्चात समाज द्वारा सामूहिक रूप से भक्ति भाव व जयकारों के साथ निर्वाण लड्डू भगवान को चढ़ाया गया। सायःकाल में 51 दीपकों से सामूहिक महाआरती करके दीप चढ़ाकर भव्य दीपोत्सव मनाया गया। पूरे मन्दिर प्रांगण को विशेष रोशनी से प्रकाशमय किया गया। अध्यक्ष सेठी के अनुसार इस विशेष दिन के पावन अवसर पर भगवान महावीर स्वामी के जय कारों से पूरा मंदिर प्रांगण गुंजायमान रहा। सामूहिक पूजन में महावीर प्रसाद जी काला रांची द्वारा दोहों के साथ भजनों की शानदार प्रस्तुति दी गई। इस महा महोत्सव के अवसर पर संपूर्ण जैन समाज के साथ में मंदिर कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य गण आदि उल्लेखनीय संख्या में उपस्थित रहे।

श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर मुनिराज ससंघ का पार्श्वनाथ कालोनी मंदिर में मंगल प्रवेश रविवार को

30 अक्टूबर से होगा तीन दिवसीय मंत्राक्ष ध्यान शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन पट्टाचार्य विशुद्ध सागर मुनिराज के परम प्रभावक शिष्य श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर मुनिराज ससंघ का रविवार 26 अक्टूबर को अजमेर रोड पर पार्श्वनाथ कालोनी के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। मुख्य प्रचार प्रसार समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि महाराज श्री ससंघ का प्रातः 7.00 बजे दिगम्बर जैन मंदिर डीसीएम महात्मा गांधी नगर से गाजे बाजे के साथ पार्श्वनाथ कालोनी निर्माण नगर के लिए मंगल विहार होगा।

पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश पर मंदिर कार्यकारिणी समिति द्वारा पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की जाएगी। मुनि भक्त दीक्षान्त हाडा ने बताया कि मंगल प्रवेश के बाद प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा में मुनि आदित्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। मंदिर समिति के का. अध्यक्ष मुकेश नागेश्वरिया एवं मंत्री पदम चन्द गंगवाल मीठडी वाले ने बताया कि मुनि संघ के सानिध्य में गुरुवार 30 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक प्रातः 5.00 बजे से 7.00 बजे तक तीन दिवसीय मंत्राक्ष ध्यान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही गुरुवार 30 अक्टूबर एवं शनिवार 1 नवम्बर को दोपहर 12.30 बजे से भक्तामर विधान का संगीतमय आयोजन किया जाएगा।

विनोद जैन कोटखावदा
मुख्य प्रचार प्रसार समन्वयक

इंडियन आइडल सीजन 16 के टॉप 30 में पहुंचे जयपुर के परिणय जैन बाकलीवाल का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जिनेश कुमार जैन के अनुसार देश के लोकप्रिय रिएलिटी शो ''इंडियन आइडल सीजन 16'' में पिंक सिटी के युवा गायक परिणय जैन बाकलीवाल पुत्र परिवेश श्वेता बाकलीवाल, सुपौत्र राजा बाबू मंजू बाकलीवाल (बस्सी वाला) ने अपनी मधुर आवाज और शानदार प्रस्तुति से टॉप 30 प्रतियोगियों में स्थान प्राप्त कर जयपुर सहित पूरे समाज का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल की ओर से परिणय जैन का सम्मान किया गया। समारोह के दौरान महासमिति के कार्याध्यक्ष अनिल जैन (आईपीएस, रिटायर्ड) एवं महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने परिणय को तिलक, माला, दुपट्टा एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर कार्याध्यक्ष डॉ णमोकार जैन, राजेंद्र शाह कोषाध्यक्ष रमेश जैन, उपाध्यक्ष शशि सेन जैन, नवकार ग्रुप के अध्यक्ष मोहन गंगवाल परामर्शक चन्द्र कांता छाबड़ा, सुनील गंगवाल,लोकेश सोगानी, जिनेश कुमार जैन, कैलाश सेठी, महावीर सेठी, प्रेमलता सेठी, जम्बू जी, दर्शन जी, नवीन जी, धर्मेश जी बाकलीवाल (बस्सीवाला) सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में महासमिति के सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि ''हमें पूर्ण विश्वास है कि परिणय आगामी ऑडिशन में और भी ऊँचाइयाँ प्राप्त कर समाज एवं परिवार का नाम रोशन करेंगे।'' **-जिनेश कुमार जैन**

चित्रकूट कॉलोनी में ललितादेवी बनी क्षुल्लिका सुव्रत मति माताजी

आचार्य सुंदर सागर महाराज ने दी जिनेश्वरी दीक्षा

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर चित्रकूट कॉलोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत आचार्य सुंदर सागर महाराज ने शुक्रवार को सुंदर सागर सभागार में जयकारों के बीच अम्बा बाड़ी निवासी ललिता देवी को क्षुल्लिका पद की दीक्षा दी । इस मौके पर भगवान महावीर के जयकारों से सभागार गुंजायमान हो उठा। अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं महामंत्री मूल चन्द पाटनी के मुताबिक उनके परिवार में यह पहली दीक्षा है। उनके परिवार में दो बेटे और तीन बेटिया है उन्होंने 88 वर्ष की उम्र में दीक्षा ली है। मुख्य प्रचार प्रसार समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि ललिता देवी ने अब तक 1234 उपवास कर रखे है। साथ ही दस लक्षण के दस उपवास तथा षोडश कारण के 16 उपवास भी कर रखे है । यह प्रारंभ से ही धार्मिक प्रवृति की रही है ।प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि चित्रकूट कॉलोनी जैन समाज ने मुनि सुभाग्य सागर एवं क्षुल्लिका सुव्रत मति माताजी की जय जयकार करते हुए वंदन किया । समाज के अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा व मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया की दीक्षा होना समाज के लिए गौरव की बात है।

शुद्ध खानपान से बनते शुद्ध विचार: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर दानिश कुंज भोपाल में स्थित गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के प्रवचन हुए। प्रवचनों में माताजी ने कहा कि - व्यक्ति को कुछ समय परमात्मा सिमरन के लिए निकालना चाहिए। हमें अपनी पूरी उम्र दुनियावी कामों में नहीं बितानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान अपना खानपान शुद्ध रखे। जो व्यक्ति शुद्ध खानपान रखता है, उसकी सोच विचार शुद्ध होते हैं। इसलिए मांसाहारी भोजन से बचें। उन्होंने कहा कि खानपान का असर हमारी सोच पर पड़ता है, इसलिए साधु संतों ने शराब, मांसाहारी भोजन से दूर रहने का संदेश दिया है। हम जैसा खाना खाते हैं, उसका असर हमारे विचारों पर पड़ता है। अगर भोजन शुद्ध, सात्विक और शांतिपूर्ण हो तो मन भी शांत और सकारात्मक होता है। इसके विपरीत, अगर भोजन क्रूरता से बना हुआ हो, जैसे कि मांसाहारी भोजन, तो मन में भी क्रूरता और नकारात्मकता आ सकती है। भोजन किस तरह से कमाया या बनाया गया है, इसका भी हमारे मन पर असर होता है। अगर भोजन ईमानदारी की कमाई से खरीदा गया हो, तो मन में अच्छे विचार आते हैं। अगर बेईमानी या शोषण के पैसों से प्राप्त किया गया भोजन खाया जाए, तो यह हमारे मन को दूषित कर सकता है और नकारात्मक विचार पैदा कर सकता है। आगामी 27 अक्टूबर 2025 को माताजी ससंघ का शीतलधाम के लिए मंगल प्रवेश होगा ।

संसार में जैसी करनी वैसी भरनी,भगवान ओर गुरु के दर्शन विनय पूर्वक करना चाहिए : आचार्य वर्धमान सागरजी

टोंक. शाबाश इंडिया। टोंक के उपनगर आदर्श नगर के 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय में पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी सानिध्य में 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान का भव्य पंचामृत अभिषेक हुआ। केवलचंद जी कल्ली वाले, ज्ञान जी भरनी वाले, पारसमल जी बगड़ी वालेअनुसार आज जिनालय में जल, शर्करा, नारियल पानी,विभिन्न फलों के रस, धी,दूध , दही,केशर सर्वऔषधि,लाल सफेद चंदन, हल्दी पुष्प मंगल आरती, सुगंधित जल एवं शांतिधारा विभिन्न पुण्यार्जक परिवारों द्वारा किए गए। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी की संघस्थ शिष्या 70 वर्षीय 105 आर्यिका श्री वत्सलमति जी की संयम समाधि साधना निरंतर एकांतर एक आहार एक उपवास से साथ चल रही हैं आहार में भी सीमित मात्र मनुक्का जल,दूध और पानी ही ले रही है दूध के अतिरिक्त अन्य 5 रसों ,सभी अनाज सहित काफी खाद्य सामग्री का त्याग कर दिया हैं। राजेश पंचोलिया,गजराज लोकेश अनुसार संत भवन में विराजित आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने उपस्थित श्रावकों से कहा कि हमें दुनिया में जो कुछ भी प्राप्त होता है वह हमारे पुण्य कर्मों से होता है। मनुष्य जीवन भी हमें अपने पुण्य कर्मों से ही मिला है। दुनिया में हम जैसा कर्म करेंगे वैसा ही हमें फल प्राप्त होगा। कहते भी हैं जैसी करनी वैसी भरनी। जब बच्चा संसार में जन्म लेता है तब दुनिया हंसती है और बच्चा रोता है। हमें दुनिया में आने के बाद ऐसे कर्म करने हैं कि जब हम हमारी आयु पूर्ण कर दुनिया से जाएं तो हमारे जाने के दुख में सारी दुनिया रोए।

पुराना जैन धर्म खत्म हो गया, अब बस पाखंड बचा है...

कभी जैन धर्म का नाम सुनते ही त्याग, सत्य, अहिंसा और संयम की याद आती थी। साधु-संत तपस्वी होते थे, जो भूख-प्यास, गर्मी-सर्दी सब सहकर आत्मा की शुद्धि का मार्ग दिखाते थे। श्रावक धर्म में विश्वास रखते थे, और विनम्रता से अपने कर्तव्य निभाते थे। धर्म का उद्देश्य तब दिखावा नहीं, बल्कि भीतर के अंधकार को मिटाना था। लेकिन अब जो कुछ हमारे सामने है, वह असली जैन धर्म नहीं – बस उसका नाम और बाहरी रूप है। भीतर की आत्मा मर चुकी है, और पाखंड ने उसका स्थान ले लिया है। आज मुनि पहले जैसे नहीं रहे। जिनका काम था लोक-शिक्षण और आत्म-जागरण, उनका ध्यान अब व्यवस्थाओं, सुविधाओं और प्रचार में लग गया है। साधु जिस त्याग के प्रतीक थे, अब वही साधु विशेष सुविधाओं और सम्मान की अपेक्षा रखते हैं। प्रवचन अब ज्ञान देने के बजाय भीड़ जुटाने और चढ़ावा बढ़ाने का माध्यम बन गया है। धर्मसभा में आत्मा की बात नहीं, प्रसिद्धि की बातें होती हैं। यही कारण है कि जो धर्म कभी मोक्ष का मार्ग था, आज वह व्यापार और प्रसिद्धि का साधन बन गया है। श्रावक वर्ग की स्थिति भी कम दुखद नहीं। पहले लोग धर्म में श्रद्धा रखते थे, अब डर या दिखावे में धर्म करते हैं। पहले तपस्या घर-घर में होती थी, अब लोग सिर्फ दान देकर अपने आपको धार्मिक समझ लेते हैं। दान पुण्य नहीं बनता जब तक उसके पीछे भावना शुद्ध न हो। पर आज भावना की जगह फोटो, बैनर और सम्मान-पत्र ने ले ली है। धर्म अब आत्मा का नहीं, पहचान का साधन बन गया है।

आगम प्रमाण: भगवान महावीर ने आचारांग सूत्र में कहा है – ''सच्चं परमं तावं'' – सत्य ही परम धर्म है। पर आज झूठ, प्रचार और दिखावे ने सत्य को ढक दिया है। उत्तराध्ययन सूत्र कहता है – 'धम्मो मोक्खस्स कारणं'– धर्म ही मोक्ष का कारण है। पर जब धर्म ही स्वार्थ और लोभ से ग्रस्त हो जाए, तो वह मोक्ष नहीं, मोह का कारण बन जाता है।

दसवैकालिक सूत्र में लिखा है –

'जोगं जो न जाणइ, सो मुनि न होइ' – जो संयम को नहीं जानता, वह मुनि नहीं।

यह बात आज के तथाकथित मुनियों पर बिल्कुल सटीक बैठती है। संयम का अर्थ त्याग है, पर आज त्याग के नाम पर आराम और भोग छिपा है।

कभी जैन धर्म का अर्थ था – आत्मा को जीतना। अब यह हो गया है – दूसरों पर हावी होना।

भगवती सूत्र में लिखा है –

जो स्वयं को जीत ले, वही जिन बनता है।

लेकिन आज खुद को जीतने वाला कोई नहीं, सब एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ में लगे हैं। आज स्थिति यह है कि धर्म के नाम पर मंदिरों में राजनीति है, संघों में गुटबाजी है, और मुनियों के बीच सम्मान की प्रतिस्पर्धा है। यह सब देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि धर्म बचा नहीं, बस उसका दिखावा बचा है। पुराने जैन धर्म में मौन साधना थी, अब माइक साधन बन गया है। पहले मन की शांति को धर्म कहा जाता था, अब भीड़ और तामझाम को धर्म समझ लिया गया है।

हम भूल गए हैं कि धर्म का सार पूजा नहीं, प्रकृति पर विजय है।

हम भूल गए हैं कि भगवान महावीर ने कहा था – अपने भीतर झाँको।

अब सब बाहर झाँक रहे हैं, इसलिए भीतर का अंधकार कभी खत्म नहीं होता।

अगर हमें फिर से असली जैन धर्म चाहिए, तो हमें पुरानी जड़ों की ओर लौटना होगा।

जहाँ धर्म दिखावे का नहीं, आत्मा की सच्चाई का था। जहाँ साधु प्रतिष्ठा नहीं, मोक्ष के लिए चलते थे। जहाँ श्रावक दान नहीं, भावना से सेवा करते थे। जहाँ धर्म किताबों में नहीं, जीवन में दिखता था।

पुराना जैन धर्म खत्म नहीं हुआ था, हमने ही उसे धीरे-धीरे खत्म कर दिया।

अब समय है कि हम फिर से उस सच्चे धर्म को पहचानें, वरना आने वाली पीढ़ियाँ जैन धर्म को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी।

पहले लोग धर्म में श्रद्धा रखते थे, अब डर या दिखावे में धर्म करते हैं। पहले तपस्या घर-घर में होती थी, अब लोग सिर्फ दान देकर अपने आपको धार्मिक समझ लेते हैं।

नितिन जैन
संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मोबाइल: 9215635871

मैं कोशिश, प्रयास और प्रयत्न को ही, कार्य की सफलता मानता हूं...

हारकर बैठ जाना मेरी फितरत में नहीं है : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

तरुणसागरम तीर्थ, गाजियाबाद। अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि

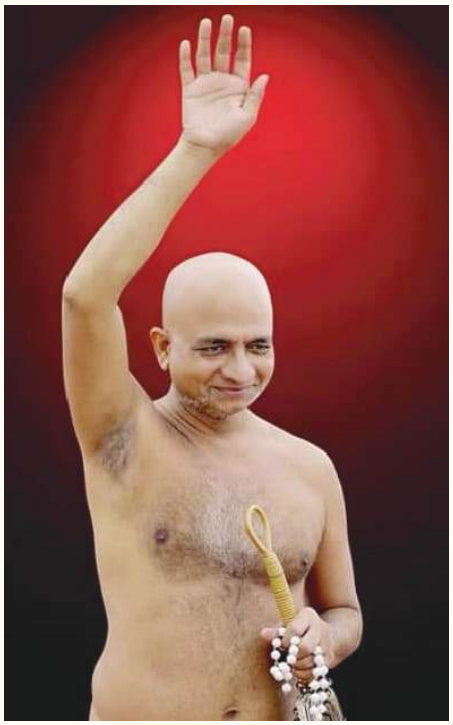

मैं कोशिश, प्रयास और प्रयत्न को ही, कार्य की सफलता मानता हूं..
हार कर बैठ जाना मेरी फितरत में नहीं है..!
जीवन में अनेक बार अच्छी बुरी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कभी अच्छा वक्त तो कभी बुरे वक्त के दौर से गुजरना पड़ता है। ये सिर्फ हमारी और आपकी बात नहीं है। जितने भी महापुरुष हुये हैं, ऐसा एक भी महापुरुष नहीं हुआ जिसने बुरे वक्त का सामना नहीं किया हो। जीवन में सुख है तो दुःख भी है, जीत है तो हार भी है, अपने है तो पराये भी है, रात है तो दिन भी है, अमृत है तो जहर भी है, पूर्णिमा की चांदनी है तो अमावस की कालिमा भी है, फूल है तो कांटे भी है, इनसे कोई आज तक बच नहीं पाया। अपने तो वे होते हैं जो दुःख में दुःखी हो जाते हैं और सुख में सुखी। लेकिन आज हाल इससे विपरीत है जैसे - अपना बेटा रोये तो दिल में दर्द होता है और पड़ोसी का बेटा रोये तो सिर में दर्द होता है, अपनी बीबी रोये तो सिर में दर्द होता है और पड़ोसी की बीबी रोये तो दिल में दर्द होता है। **सौ बात की एक बात:** जीवन का वास्तविक सुख दूसरों को सुख देने में है, उनका सुख चैन छीनने झपटने में नहीं है : नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा सामाजिक सरोकार मिठाई वितरण कार्यक्रम में 22 शोकग्रस्त परिवार लाभान्वित

डडूका. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा सामाजिक सरोकार मिठाई वितरण कार्यक्रम में गांव डडूका के 22 शोकग्रस्त परिवार लाभान्वित हुए।19 अक्टूबर की सांय 5 बजे ये कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र चेयरमैन रणजीत सिंह सोलंकी ने बताया की प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गांव के सर्व समाज के 22 शोकग्रस्त परिवारों में मिठाई वितरण कर उनके शोक निवारण की रस्म अदा की गई ।संस्था के इंटरनेशनल डायरेक्टर अजीत कोठिया ने बताया कि संभवतः पूरे देश में डडूका केंद्र द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम अपने आप में अनूठा है जिसमे सदस्य घर घर जाकर उन परिवारों की कुशल क्षेम पूछते हैं जिनमें पूरे वर्ष में किसी परिजन का निधन हुआ हो। ऐसे परिवारों को मिठाई भेट कर दीपावली की राम रामी कर उनके दुख में सहभागिता निभा बच्चो ओर परिजनों का मुंह मीठा कराया जाता है। इस आयोजन में सचिव अशोक रावल, पूर्व अध्यक्ष सुंदरलाल पटेल , सरपंच प्रशासक रेखा महवाई,जनार्दन नागर, राजेंद्र महवाई, जगदीश वागड़िया, तथा अजीत कोठिया ने सक्रिय सहयोग किया। कार्यक्रम संचालन सचिव अशोक रावल ने किया, आभार अजीत कोठिया ने व्यक्त किया।

इंदौर बनेगा वैराग्य की राजधानी

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। गोम्मटगिरि पर गूंजेगा आत्मजागरण का महापर्व 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक दीक्षा, भक्ति और आचार्य श्री विभव सागर स्वर्ण जयंती का अद्वितीय संगम धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू और कार्यक्रम संयोजक आकाश पांड्या ने बताया कि आचार्य भगवन् 108 विभव सागर जी महामुनिराज के सान्निध्य में दिगंबर जैन समाज 'विभव स्वर्ण जयंती एवं दीक्षा महोत्सव' के रूप में एक ऐतिहासिक तीन दिवसीय आत्मजागरण पर्व मनाया जा रहा है। नगर के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र गोम्मटगिरि पर यह आयोजन भक्ति, अनुशासन और आत्मकल्याण की अद्भुत प्रेरणा बनेगा। जहाँ भावी दीक्षार्थीयो की भव्य जेनेश्वरी दीक्षा वैराग्य के दीपों की तरह जगमगाएगी और हर समाज जन का हृदय भक्ति से सरोबार होगा। आकाश पांड्या ने कहा कि कार्यक्रम की भव्य शुरूआत 31 अक्टूबर – घट यात्रा से होगा शुभारंभ, इंदौर नहाएगा भक्ति के रंग में प्रातः 6:00 बजे गांधीनगर से 51 मुनि-आर्यिका संसघ के सान्निध्य में भव्य घट यात्रा प्रारंभ होगी, जो गोम्मटगिरि तीर्थ तक पहुँचेगी। प्रातः 8:00 बजे भव्य ध्वजारोहण एवं मण्डप उद्घाटन से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा। दोपहर 1:00 बजे भावी दीक्षार्थियों की हल्दी-मेंहदी रस्म में 1500 से अधिक महिलाओं एवं महिला परिषद् महिला मंडल की सहभागिता समाज की एकता और श्रद्धा का प्रतीक बनेगी। संध्या 7:00 बजे सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों की प्रस्तुतियाँ भक्ति और वैराग्य का संदेश देंगी। ''रक्षाबंधन एवं दीपावली विशेष प्रस्तुति'' भव्य नाटीका भाव-विभोर कर देने वाला दृश्य प्रस्तुत करेंगी। 1 नवम्बर – गणधर विलय विधान और आचार्य श्री स्वर्ण जयंती का भव्य संगम प्रातः 6:00 बजे 48 मंडलों पर गणधर विलय विधान, जिसमें समाज के 48 परिवार और भावी दीक्षार्थीयो एक साथ भक्ति साधना करेंगे।

हार्ट ब्लॉकेज को रोकना है तो आपको ये सभी उपाय करने चाहिएं

आज के दौर में ब्लड प्रेशर के मरीजों की तादाद दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। दौड़- भाग भरी जिंदगी, फॉस्ट फूड और अनियमित दिनचर्या की वजह से आजकल हर उम्र के लोगों में बीपी की समस्या देखने को मिल रही है। और वैसे तो ब्लड प्रेशर की बीमारी मामूली सी लगती है लेकिन अगर इसपर काबू न पाया गया तो यह समस्या दिल की बीमारी, स्ट्रोक और किडनी की बीमारी का कारण भी बन सकती है। ब्लड प्रेशर कम हो या ज्यादा दोनों ही खतरनाक होते हैं। इसलिए डॉक्टर द्वारा अक्सर यह सलाह दी जाती है की आप नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच करवाते रहें।

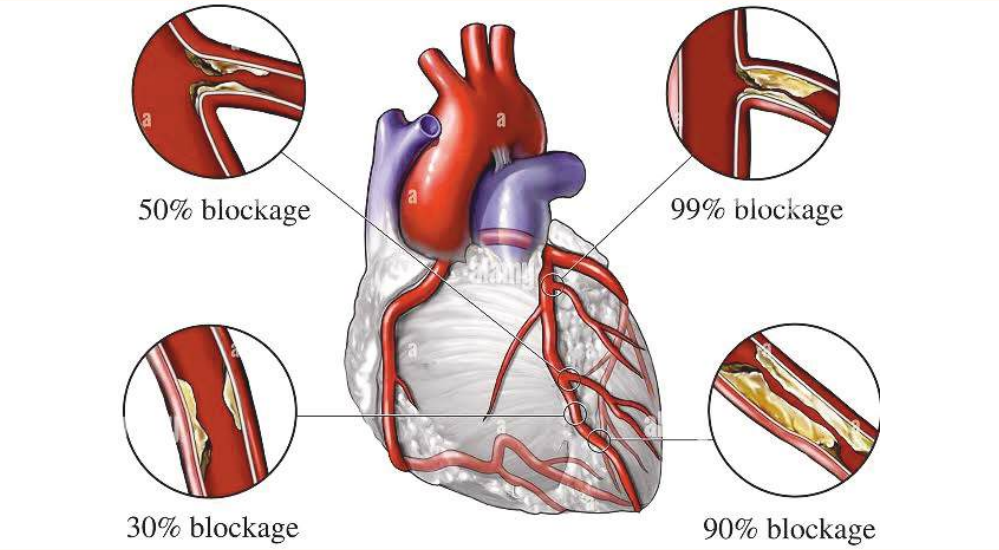

यदि आप हाई ब्लड प्रेशर या लो ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान है और इसके समाधान के बारे में सोच रहें है तो आपके लिए दो तरह के विकल्प हैं। इसके दो विकल्प है एक रोज अंग्रेजी दवाएं खाकर राहत ली जाए जिसका साइड इफेक्ट होना भी तय है और दूसरा घरेलू उपचार है जिसे अपनाकर आप ब्लड प्रेशर को प्रबंधन कर पाएंगे, साथ ही शरीर की कई और बीमारियों में लाभ भी पहुंचाएगा और साइड इफेक्ट भी नहीं होगा। तो आइए आज हम जानते हैं

हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के घरेलू उपाय

1- चोकर युक्त आटा लें-

गेहूं व चने के आटे को बराबर मात्रा में लेकर बनाई गई रोटी खूब चबा-चबाकर खाएं, आटे से चोकर न निकालें। यह ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में बहुत मददगार होता है।

2- ब्राउन राइस खाना

ब्राउन चावल का इस्तेमाल करें। इसमें नमक, कोलेस्टरोल और चर्बी नाम मात्र की होती है। यह हाई ब्लड प्रेशर रोगी के लिये बहुत ही लाभदायक भोजन है।

3- लहसुन की कली

लहसुन में एलिसीन होता है, जो नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ाता है और मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है। ब्लड प्रेशर के डायलोस्टिक और सिस्टोलिक सिस्टम में भी राहत देता है। यही कारण है कि ब्लड प्रेशर के मरीजों को रोजाना खाली पेट एक लहसुन की कली निगलनी चाहिए।

4- आंवला लेना

वैसे तो आंवला काफी बीमारियों में मदद करता है पर आज से आप जानलें की आंवला ब्लड प्रेशर के लिए भी बहुत राहत पहुंचाने वाला है। आंवला में विटामिन सी होता है। यह ब्लड सकुर्लेशन को ठीक करता है और कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल में रखता है।

5- मूली का सेवन

वैसे तो मूली एक साधारण सब्जी है। पर इसे खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसे पकाकर या कच्चा खाने से बॉडी को मिनरल्स व सही मात्रा में पोटैशियम मिलता है। यह हाइ-सोडियम डाइट के कारण बढ़ने वाले ब्लड प्रेशर पर भी असर डालता है।

6- तिल और चावल की भूसी

तिल का तेल और चावल की भूसी को एक साथ खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। यह हाइपरटेंशन के मरीजों के लिए भी लाभदायक होता है। माना जाता है कि यह ब्लड प्रेशर कम करने वाली अन्य औषधियों से ज्यादा बेहतर होता है।

7- अलसी बीज

अलसी में एल्फा लिनोनेलिक एसिड काफी मात्रा में पाया जाता है। यह एक प्रकार का महत्वपूर्ण ओमेगा झ्र 3 फैटी एसिड है। कई स्टडीज में भी पता चला है कि जिन लोगों को हाइपरटेंशन की शिकायत होती है, उन्हें अपने भोजन में अलसी का इस्तेमाल शुरू करना चाहिए। इसमें कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है और इसे खाने से ब्लड प्रेशर भी कम हो जाता है

8- इलायची

जानकारों के मुताबिक इलायची के नियमित सेवन से ब्लड प्रेशर प्रभावी ढंग से कम होता है। इसे खाने से शरीर को एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं। साथ ही, ब्लड सकुर्लेशन भी सही रहता है।

9- प्याज रस

नियमित प्याज खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है। इसमें क्योरसेटिन होता है। यह एक ऐसा ऑक्सीडेंट फ्लेवेनॉल है जो दिल को बीमारियों से बचाता है।

10- दालचीनी की चाय

दालचीनी के सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है यह ब्लड सकुर्लेशन को सुचारू रखता है।

11- नमक कम मात्रा में

नमक ब्लड प्रेशर बढाने वाला प्रमुख कारक है। इसलिए यह बात सबसे महत्वपूर्ण है कि जिनकी बीपी हाई हो उन्हें नामक खाने से बचना चाहिए।

12- रक्त गाढ़ा ना हो

लहसुन ब्लड प्रेशर ठीक करने में बहुत मददगार घरेलू उपाय है। यह रक्त का थक्का नहीं जमने देती है। धमनी की कठोरता में लाभदायक है। रक्त में ज्यादा कोलेस्ट्रोल होने की स्थिति का समाधान करती है। उच्च रक्तचाप का एक प्रमुख कारण होता है रक्त का गाढा होना। रक्त गाढा होने से उसका प्रवाह धीमा हो जाता है। इससे धमनियों और शिराओं में दवाब बढ जाता है।

13- आंवले का रस

एक बड़ा चम्मच आंवले का रस उसी मात्रा में हनी मिलाकर सुबह-शाम लेने से हाई ब्लड प्रेशर में राहत मिलती है।

14- काली मिर्च पावडर

जब ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ हो तो आधा ग्लास हल्का गर्म पानी में एक चम्मच काली मिर्च पाउडर घोलकर 2-2 घंटे के डिस्टेंस पर पीते रहें। यह ब्लड प्रेशर सही करने का बढिया उपचार है।

15- नींबू रस

हाई हुए ब्लड प्रेशर को जल्दी कंट्रोल करने के लिये आधा गिलास पानी में आधा नींबू का रस 2-2 घंटे के अंतर से पीते रहें। इससे तुरन्त फायदा होगा।

16- तुलसी पत्र

कुछ तुलसी के पत्ते और दो नीम की पत्तियों को पीसकर 20 ग्राम पानी में घोलकर खाली पेट सुबह पिएं। 15 दिन में असर महसूस होने लगेगा।

17- पपीता खाना

हाई ब्लडप्रेशर के मरीजों के लिए पपीता भी बहुत लाभ करता है, इसे प्रतिदिन खाली पेट चबा-चबाकर खाएं।

18- शर्बत का सेवन

सौंफ, जीरा, शक्कर तीनों बराबर मात्रा में लेकर पाउडर बना लें। एक गिलास पानी में एक चम्मच मिश्रण घोलकर सुबह-शाम पिएं।

19- अदरक का रस

बुरा कोलेस्ट्रोल धमनियों की दीवारों पर प्लेक यानी कि कैल्शियम युक्त मैल पैदा करता है जिससे रक्त के प्रवाह में अवरोध खड़ा हो जाता है और नतीजा उच्च रक्तचाप के रूप में सामने आता है। अदरक में बहुत हीं ताकतवर एंटीओक्सीडेट्स होते हैं जो कि बुरे कोलेस्ट्रोल को नीचे लाने में काफी असरदार होते हैं। अदरक से आपके रक्तसंचार में भी सुधार होता है, धमनियों के आसपास की मांसपेशियों को भी आराम मिलता है जिससे कि उच्च रक्तचाप नीचे आ जाता है।

20- दाना मेथी

तीन ग्राम मेथीदाना पावडर सुबह-शाम पानी के साथ लें। इसे पंद्रह दिनों तक लेने से लाभ जरूर फायदा होगा।

21- बिना चप्पल पहने वॉक करें-

नंगे पैर हरी घास पर रोजाना 10-15 मिनट वॉक करें। इसे नियम में लाने से एक्यूप्रेशर होता है और हमारा ब्लड प्रेशर नार्मल हो जाता है।

डा पीयूष त्रिवेदी
शासन सचिवालय जयपुर

शुद्ध मन और संयमित वाणी ही मोक्ष की सर्वोच्च साधना: साध्वी हर्षश्री

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शुद्ध मन और संयमित वाणी ही मोक्ष की सर्वोच्च साधना है।यह विचार शांतिभवन में आयोजित धर्मसभा में शनिवार को साध्वी हर्षश्री ने श्रध्दालूओ को उद्बोधन देतें हुए कहा मनुष्य के जीवन की दिशा उसका मन तय करता है। जब मन स्थिर होता है, विचार संयमित होते हैं और वाणी मर्यादित होती है, तभी आत्मा अपने शुद्ध स्वरूप में अनुभव की जा सकती है। उन्होंने कहा आज का युग बाह्य प्रगति का है, परंतु भीतर की अशांति ने ही मानव को दुख और बंधन में जकड़ रखा है। जिस दिन मन पर विजय प्राप्त हो जाएगी, उसी क्षण मोक्ष का द्वार स्वयं खुल जाएगा। साध्वी जयश्री ने उत्तराध्ययन सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि जीवन का सार केवल ज्ञान प्राप्त करने में नहीं, बल्कि उसे आत्मसात कर कर्मों की निर्जरा में है। उन्होंने कहा कर्म केवल बाह्य आचरण से नहीं, बल्कि विचार, वाणी और संकल्पों से भी बनते हैं। जब तक विचार शुद्ध नहीं होंगे, तब तक कर्मबंधन से मुक्ति असंभव है। साध्वी जयश्री ने एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि जैसे एक ब्राह्मण ने दीक्षा लेकर अपने संचित कर्मों की निर्जरा की वैसे ही जब मनुष्य अपनी वाणी और विचारों को तपस्वी बना लेता है, तभी भीतर का आलोक प्रकट होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शुभ या अशुभ विचार, कर्मरूप में फलित होता है इसलिए विचारों का संयम ही सबसे बड़ा तप है। हम जीवनभर व्रत, पूजा और बाह्य तप करते रहते हैं, पर यदि मन और वाणी शुद्ध नहीं, तो आत्मा की निर्मलता अधूरी रह जाती है। इस दौरान सभा में विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने जानकारी दी कि रविवार, 26 अक्टूबर को ज्ञान पंचमी के अवसर पर साध्वीवृंद विशेष प्रवचन प्रदान करेंगे।

प्रवक्ता निलिप्का जैन

भगवान महावीर की स्तुति कर सर्व मंगल व सुख शांति की कामना

महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. के सानिध्य में महमंगलकारी नमोत्थुणं जाप की आराधना

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में गुरूवार को श्रद्धा एवं भक्ति से परिपूर्ण माहौल में साप्ताहिक अनुष्ठान आराधना का आयोजन किया गया। अनुष्ठान आराधना के तहत वीर प्रभु परमात्मा महावीर स्वामी की स्तुति में महामंगलकारी ''नमोत्थुणं समणस्स भगवओ महावीरस्स'' का जाप किया गया। इसके माध्यम से तीर्थंकर भगवान महावीर की स्तुति की गई। सैकड़ो श्रावक-श्राविकाओं ने शुद्ध भावों के साथ इस मंत्र का जाप किया तो पूरा वातावरण पवित्र एवं पावन हो गया ओर असीम पॉजिटिव एनर्जी का संचार हुआ। इस जाप के माध्यम से भगवान महावीर स्वामी से प्रार्थना की गई कि सबका जीवन आनंदमय ओर शांतिमय हो तथा हर प्रकार का कष्ट दूर हो। अनुष्ठान के शुरू में महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में रक्षाकवच निर्माण के लिए श्री व्रज पंज्जर स्तोत्र की आराधना की गई। अनुष्ठान के शुरू में लाभार्थी परिवारों, अतिथियों एवं चातुर्मास समिति एवं सुभाषनगर श्रीसंघ के पदाधिकारियों व श्रावक श्राविकाओं द्वारा नवकार मंत्र चौकी की विधिपूर्वक स्थापना की गई। अनुष्ठान के लाभार्थी विजयसिंह आशा, वंश सिद्धार्थ आशीष भण्डारी परिवार भीलवाड़ा, कालूलाल आशीष भावेश राजवीर बोहरा परिवार डोम्बिवली, विमलकुमार बुलिया परिवार डोम्बिवली, संतोषजी, शिवकुमार, गौरवकुमार डांगी परिवार भीलवाड़ा, सरिता राजेश ,रीना राहुल आयुषी निखिल पोखरना परिवार भीलवाड़ा एवं योगिता अभिषेक बड़ोला परिवार डोम्बिवली रहा। समारोह में लाभार्थी परिवारों एवं विशिष्ट अतिथि पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्रसिंह मेड़तिया, नेतराम चौधरी, मुंबई के अमृत मुथा, दुबई से आए गौतम मुथा, चित्तौड़गढ़ के सुनील बोहरा, अभय नाहर, गौतम डांगी, कोटा के प्रियंक जैन आदि का स्वागत चातुर्मास समिति के अध्यक्ष दौलतमल भड़कत्या, सचिव राजेन्द्र सुराना, सुभाषनगर श्रीसंघ के मंत्री बंशीलाल बोहरा, सुनील नाहर, सुनील सुराना, मदनलाल सिपानी, अनिलकुमार कोठारी, महावीर कच्छारा, ओम सिसोदिया, महिला मण्डल की लाड़जी मेहता, टीना बापना, सुमित्रा बोथरा, पुष्पा गोखरू सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने किया। अनुष्ठान में शामिल होने के लिए भीलवाड़ा शहर के साथ बिजयनगर, गुलाबपुरा, चित्तौड़गढ़ सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से श्रावक-श्राविकाएं पहुंचे। कार्यक्रम का संचालन चातुर्मास समिति के सचिव राजेन्द्र सुराना ने किया।

साप्ताहिक पद्मावती एकासन आराधना आज

चातुर्मास में शुक्रवार को साप्तहिक पद्मावती एकासन आराधना विधि का आयोजन होगा। एकासन आराधना में शामिल होने के लिए 550 से अधिक श्राविकाओं एवं श्रावकों ने पंजीयन कराया हुआ है। सुबह नियमित प्रवचन के तुरंत बाद एकासन विधि होगी। एकासन विधि सम्पन्न होने के बाद सामूहिक एकासन चातुर्मास समिति द्वारा कराया जाएगा। पद्मावती एकासन का उद्यापन 31 अक्टूबर को होगा।

ज्ञानपंचमी पर बच्चों के लिए सरस्वती अनुष्ठान 26 को

चातुर्मासिक आयोजनों के तहत 26 अक्टूबर को ज्ञान पंचमी पर सुबह 8.30 बजे से बच्चों के लिए सरस्वती अनुष्ठान होगा जिसमें उनके परिवारजन भी शामिल हो सकेंगे। बच्चों को कार्यक्रम स्थल पर कूपन दिए जाएंगे जिनके सहारे वहीं पर बाद में वह सरस्वती यत्र प्राप्त कर सकेंगे। इससे पूर्व सुबह 7.30 बजे सुभाषनगर स्थानक से कार्यक्रम स्थल आरसी व्यास कॉलोनी में गेट न.33 के पास स्कूल के नजदीक ग्राउण्ड तक भव्य आगम वरघोड़ा निकाला जाएगा जिसमें श्रावक श्राविका आगम श्रद्धा के साथ सिर पर रखकर चलेंगे। जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. का जयंति समारोह 2 नवम्बर को मनाया जाएगा। लोकाशाह जयंति 5 नवम्बर को मनाई जाएगी।

संगिनी कैपिटल फोरम ने मनाया दिवाली स्नेह मिलन समारोह

जयपुर। संगिनी कैपिटल फोरम परिवार ने दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया।अध्यक्ष अलका जैन ने बताया कि सभी सदस्याओ को आयुष्मान खुराना,रश्मिका मंदाना,नवाजुद्दीन सिद्दकी,परेश रावल आदि द्वारा अभिनीत फैंटसी आधारित फिल्म थामा दिखाई गई। संस्थापक अध्यक्ष विनीता जैन ने कहा कि सदस्याओ ने पहले G.T Central के फूड कोर्ट फ्लेवर्स मे स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया फिर Inox मे फैंटेसी ,हारर व कॉमेडी से भरपूर फिल्म का आनंद उठाया। फोरम पदाधिकारी मंजु गंगवाल, सुनीता काला व चंदना ठोलिया ने बताया कि हर वर्ष कई मनोरंजक, धार्मिक व समाजसेवा के कार्यक्रम करते हुए ग्रुप द्वारा सदस्याओ को मूवी एक कार्यक्रम के अंतर्गत दिखाई जाती है।

परम पूज्य मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज के सानिध्य में सुखोदय तीर्थ पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नोगामा। परम पूज्य मुनि श्री विनम्र सागर जी का मंगल प्रवेश बागीदौरा नगर से नोगामा नगर में आज प्रातः बैंड बाजो के साथ जनसमूह द्वारा अगवानी की गई मुनि श्री ने भगवान महावीर समवशरण मंदिर, आदिनाथ मंदिर में भगवान के दर्शन किए वागड़ के बड़े बाबा आदिनाथ भगवान के दर्शन अभीभूत हुए विशाल जैन समूह के साथ महाराज श्री सुखोदय तीर्थ पहुंचे जहां पर 24 टॉक मुख्य मंदिर भगवान महावीर की प्रतिमा आदि के दर्शन नवनिमार्णाधीन भगवान मनीसूवत नाथ मंदिर शीघ्र बने इसका आशीर्वाद प्रदान किया। ध्वजारोहण करने का सौभाग्य पिंडारमियां प्रदीप रतनलाल मोहनलाल मीठालाल परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात गीतकार के मधुर स्वर लहरों के साथ भगवान का अभिषेक किया गया । अभिषेक करने का सौभाग्य नंदन जैन को प्राप्त हुआ तत्पश्चात दीप प्रज्वलन के बाद विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी के दिशा निर्देशन में भगवान महावीर स्वामी एवं आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज की पूजन बड़े भक्ति भाव से महिलाओं द्वारा गरबा नृत्य करते हुए विभिन्न गांव से पधारे हुए धर्म प्रेमी बंधुओ द्वारा अष्ट द्रव्य के थाल सजाकर नाचते गाते हुए अर्घ चढ़ाऐ, इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय प्रधान सुभाष खराड़ी ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश सुथार सरपंच नरेश परमार का आगमन हुआ सभी अतिथियों को दुपट्टा उड़ा कर समाज द्वारा सम्मान किया गया भरडा केसरीमल हीरालाल डडूका लड्डू हेतु राशी भेट की, निर्वाण कांड पूजा के बाद बड़े भक्ति भाव से पधारे हुए धर्म प्रेमी बंधुओं द्वारा निर्वाण लाडू चढ़ाया गया इस अवसर पर जैन पाठशाला के छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम के पश्चात दिगंबर जैन समाज द्वारा वात्सल्य भोज दिया गया कार्यक्रम का आभार कोषाध्यक्ष रमणलाला जैन, व सुभाष चंद्र नानावटी द्वारा किया गया उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

सिविल लाइंस विधानसभा के वार्ड नंबर 50 में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया

कार्यक्रम में सिविल लाइंस विधानसभा विधायक गोपाल शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं को दीपावली की बधाई दी

जयपुर. शाबाश इंडिया। सिविल लाइन विधानसभा के वार्ड नंबर 50 में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया क्षेत्रीय संयोजक सुभाष शर्मा ने बताया कि वार्ड 50 के सभी कार्यकर्ताओं के लिए दीपावली स्नेह मिलन समारोह लक्ष्मणपथ पर आयोजित किया गया। दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में सिविल लाइन विधानसभा के लोकप्रिय विधायक गोपाल शर्मा एवं क्षेत्रीय पार्षद निगम चेयरमैन पवन शर्मा नटराज के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वार्ड 50 के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता पदाधिकारी समाज सेवी संस्थाओं के सदस्य विकास समिति के पदाधिकारीगण मोदीनगर विवेक विहार के पदाधिकारीगण कार्यकर्तागण एवं विवेक विहार जैन समाज के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर वार्ड 50 के पदाधिकारीगण कार्यकर्ताओं महिला मंडल पदाधिकारीगण एवं विभिन्न संस्थाओं से पधारे पदाधिकारीगण सदस्यों ने सिविल लाइंस के लोकप्रिय विधायक गोपाल शर्मा का स्वागत एवं अभिनंदन किया। विवेक विहार जैन समाज से पूर्व पार्षद नरेश जैन मेड़ता समाज अध्यक्ष अनिल जैन प्रणय पतंगिया अरविंद जैन ने विधायक महोदय को नवकार महामंत्र का मोमेंटो भेंट करके स्वागत अभिनंदन किया इस मौके पर विधायक गोपाल शर्मा ने अपने उद्बोधन में सभी उपस्थित पदाधिकारी कार्यकर्ताओं एवं सभी उपस्थित वरिष्ठजन को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जल्द ही 10 करोड़ की लागत से सड़कों का निर्माण कार्य शुरू होगा एवं सिविल लाइन क्षेत्र के विभिन्न मोक्षधाम में भी करोड़ों की लागत से कार्य किए जा रहे हैं नगर निगम चेयरमैन पवन शर्मा नटराज ने अपने उद्बोधन में बताया कि वार्ड में सभी क्षेत्र में सड़क नाली पार्क सीवरेज क्षेत्र में विभिन्न निर्माण कार्य हुए हैं एवं निरंतर निर्माण कार्य जारी है कार्यक्रम में क्षेत्रीय संयोजक सुभाष शर्मा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों पदाधिकारीगण महिला मंडल एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया इस अवसर पर श्याम नगर मंडल अध्यक्ष गौरव अग्रवाल एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष पुष्करदत शर्मा उपस्थित थे।

पंचकल्याणक महामहोत्सव में सुरेश बड़जात्या एवं सुरग्यानीदेवी को भगवान के माता-पिता बनने का मिला सौभाग्य

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोबनेर। जोबनेर कस्बे में 331 वर्ष पश्चात आगामी नवंबर माह में होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारी शुरू होने के साथ भगवान के माता-पिता की नाम की घोषणा परम पूज्य आचार्य गुरुवर 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि 108 श्री आदित्यसागर जी ने सभी फार्मो को जांच करके तय किया मुनिश्री ने मुरलीपुरा जोबनेर के निवासी और हाल प्रवासी जयपुर सुरेश बड़जात्या एवं उनकी धर्मपत्नी सुरग्यानी देवी को भगवान के माता-पिता बनने का आशीर्वाद दिया।जिसके बाद जोबनेर जैन समाज के सदस्यों ने सुरेश बड़जात्या का माल्यार्पण कर और स्वागत करके सम्मान किया एवं अनुमोदना की।इस दौरान पं.महावीर प्रसाद जैन मोंटू ठोलियाँ,विनोद बड़जात्या उर्फ मीठा,विनोद गांधी,मानक सेठी,अमित जैन, मिक्की बड़जात्या, गौरव बड़जात्या, मुकेश पाटनी,प्रमोद बड़जात्या, अजय बड़जात्या आदि मौजूद रहे।

व्यक्ति वहां टूट जाता है जहां जीवन पर अनिष्ट हावी हो जाता है : मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज

दो नवम्बर को होगी भव्य चक्रवर्ती शोभायात्रा निकाली जायेगी। विवेक अमरोद को मिला चक्रवर्ती बनने का सौभाग्य : विजय धुर्रा

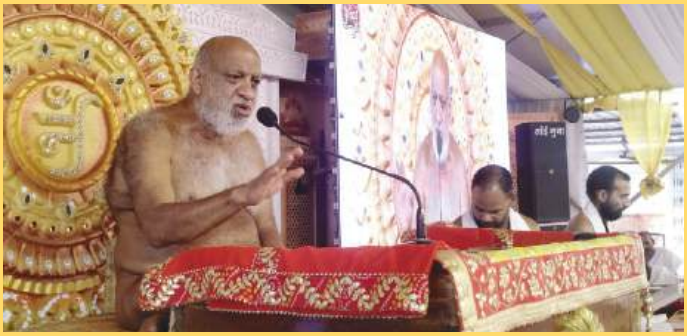

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। व्यक्ति वहां टूट जाता है जहां जीवन पर अनिष्ट हावी हो जाता है जीवन में खतरा हावी होने पर व्यक्ति डर जाता है व्यक्ति पर जब दुखों का पहाड़ टूटता है तो वह सहन नहीं कर पाता ऐसे में ही व्यक्ति के टूट जाता है ऐसे में ही जीवन को खतरा रहता है वहीं अच्छे सोच में कोई खतरा नहीं है अच्छे बनने में कोई दिक्कत नहीं है बुरा बनने में बहुत खतरा है तुम दूसरों को मारने गये दूसरों ने मिलकर तुम्हारे लिए ही मार दिया तो क्या करोगे होता ही है पहले राजा महाराजा युद्ध लड़ने नहीं युद्ध जीतने जाते हैं और अजेय राजा भी कभी कभी युद्ध हर ही नहीं युद्ध हारने के साथ ही प्राण गंवा बैठे आज सब उद्देश्य को लेकर चलने लगें हमारे यहां कहा गया कि दान के लिए नहीं कमाना आप ने सोचा कि मुझे इतना पैसा मिल जाए तो मैं इस राशि में से एक भाग देने का सोचा और नहीं कर पाये तो दोष लग जाता है दान के लिए नहीं कमाना यदि कमाई हो गई तो मुझे इतना

दान देना है अभी तक तुम ने अनियत विहार और आहार देखा होगा लेकिन आज अनियत प्रवचन भी देख लें प्रवचन की जगह गांव मन्दिर में कार्यक्रम होना था लेकिन भक्तो का पुण्य यहां खीच लाता उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए ।

चक्रवर्ती के साथ महामंडलेश्वर और रथों में चले श्रावक श्रेष्ठी: जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि अंचल के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी के लिए परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में भव्य अति भव्य चक्रवर्ती पदयात्रा का शुभारंभ दो नम्बर को होगा इस पदयात्रा के चक्रवर्ती बनने का सौभाग्य भगवान के माता-पिता राजेश अमरोद चक्रवर्ती परिवार से विवेक कुमार अक्षम कुमार अमरोद को मिला। वहीं थूवोनजी कमेटी के मंत्री प्रदीप जैन रानी कविता जैन वेटी चैलसी सोमैया विशुद्ध जैन रिजोदा पिपरई के साथ अन्य चौबीस परिवार को मिला जिनका सम्मान।

चक्रवर्ती के साथ महामंडलेश्वर और रथों में चले श्रावक श्रेष्ठी: जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि अंचल के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी के लिए परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में भव्य अति भव्य चक्रवर्ती पदयात्रा का शुभारंभ दो नम्बर को होगा इस पदयात्रा के चक्रवर्ती वनने का सौभाग्य भगवान के माता-पिता राजेश अमरोद चक्रवर्ती परिवार से विवेक कुमार अक्षम कुमार अमरोद को मिला वहीं थूवोनजी कमेटी के मंत्री प्रदीप जैन रानी कविता जैन वेटी चैलसी सोमैया विशुद्ध जैन रिजोदा पिपरई के साथ अन्य चौबीस परिवार को मिला जिनका सम्मान ।